दैनिक भास्कर 13/11/14

राष्ट्रीय भेड़ मेले में देशभर से आए पशुपालक

खेती के साथ भेड़ बकरी पालन से होगा आर्थिक विकास : प्रभुलाल सैनी

भास्कर न्यूज | मालपुरा

कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा है कि खेती के साथ साथ भेड़ बकरी व अन्य पशुपालन करने से ही किसान व पशुपालक का आर्थिक विकास संभव है। यह कृषि के महत्वपूर्ण अंग है। कृषि मंत्री बुधवार केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन विकास मेले के शुभारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। समारोह में आए किसानों पशुपालकों व वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से खेती को होने वाले नुकसान के बावजूद पशुपालन से किसान परिवार का जीविकोपार्जन कर सकता है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से भेड़ व भेड़ पालक के बीमे की योजना के बारे में बताया तथा आगामी दिनों में सरकार द्वारा किसानों व पशुपालकों के लिए लाभदायी योजनाएं शुरू करने की जानकारी दी।

घटती कृषि भूमि से चिंता

समारोह की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह ने तेजी से घट रही कृषि भूमि पर चिंता जताई। उन्होंने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को रोकने के लिए कानून बनाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि पशुपालन को लाभकारी बनाया जाए। राजस्थान में पशु पालकों के लिए कोई योजना नहीं होने से पशुपालक निराश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऊन खरीद केंद्र खोले तो केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड सहयोग को तैयार है।

कृषि विश्वविद्यालय जरूरी

विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने पशुपालकों को कहा कि वे आधुनिक तरीके से खेती व पशुपालन कर आर्थिक विकास करें। उन्होंने अविकानगर में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कराने पर जोर दिया तथा कृषि मंत्री के माध्यम से राज्य सरकार की ओर से अविकानगर में विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्रेषित करने की अपील की।

यह भी रहे मौजूद

इस अवसर पर पशुपालन विभाग राजस्थान के निदेशक राजेश मान व नाबार्ड बैंक के महाप्रबंधक राजेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। इससे पहले संस्थान में प्रदर्शनी का शुभारंभ फीता काट कर किया गया। मेले में प्रदेश के कई जिलों सहित दस राज्यों के किसानों व वैज्ञानिकों व अधिकारियों ने भाग लिया। समारोह में डॉ. बलराम चौधरी, डॉ. एल वी पाटिल, डॉ. बी बी भारती मुंबई, के के गोयल जोधपुर, एस के शर्मा बीकानेर, कमल कल्ला, पूर्व निदेशक एस ए करीम, डा. साहु, डॉ. राघवेंद्र , डॉ. अविनाश, डॉ. आर.सी.शर्मा व पशु पालक तथा जनप्रतिनिधियों मे कमल चौधरी व छोगालाल गुर्जर, पुरुषोत्तम सैनी, विनोद शर्मा, जुगल शर्मा, भागचंद सैनी, सत्यनारायण , गोरधन सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रतियोगिता मे विजेता रहे भेड पालकों व उन्नत रेवड , उन्नत भेड़ें, उन्नत मेमने सहित अन्य प्रकार की उन्नत प्रतिस्पर्धाओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। डॉ. गुल्यानी ने अतिथियों का आभार जताया।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान में भेड़ मेले के दौरान संस्थान की पुस्तकों का विमोचन करते मुख्य अतिथि कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, केंद्रीय उन विकास बोर्ड अध्यक्ष जसवंत सिंह व विधायक कन्हैयालाल चौधरी व अन्य अतिथि।

भेड़ पालकों के लिए आगे आए सरकार

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी ने अतिथियों का साफा बंधा कर स्वागत किया । उन्होंने इस अवसर पर मेला आयोजित करने का उद्देश्य किसानों पशुपालकों से संबंध बनाना बताया। संस्थान का मुख्य कार्य अनुसंधान है तथा अनुसंधानिक तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उन्हें उपयोगी बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने की उन्होंने जानकारी दी। उन्होंने भेड़ को गरीब का धन बताया तथा भेड़ व बकरियों की संख्या में तेजी से आ रही गिरावट पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि देश में भेड़ों की 42 नस्लें जीवित है। भारत में साढ़े छह करोड़ भेड़ें है। जबकि ऊन के उत्पादन में कमी आई है। पाकिस्तान से ऊन का आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार का भेड़ ऊन विभाग बंद कर दिए जाने से भेड़ पालकों की समस्याएं बढ़ी है। ऊन विक्रय के सरकारी संस्थान नहीं होने से भेड़ पालकों को ऊन के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान में भेड़ मेले के दौरान उन्नत नस्ल की भेड़ व मेंढों का अवलोकन कृषि मंत्री।

मंत्री ने अविकानगर में की घोषणाएं

मालपुरा। कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में आयोजित राष्ट्रीय भेड़ व ऊन विकास मेले में अपने संबोधन के दौरान तीन योजनाएं शुरू करने की घोषणा की है। पहली घोषणा करते हुए उन्होंने कहा है कि सरकार जल्दी ही पासऑन गिफ्ट योजना शुरू करेगी । इस योजना में आदिवासी इलाके के परिवारों को दो दो बकरियां मुफ्त दी जाएगी उन्हें पौषणयुक्त आहार दिया जाएगा। किसान इन दो बकरियों से दो साल तक प्रजनन व आमद करेगा। दो साल बाद यह बकरियां उनसे लेकर दूसरे किसान को दी जाएगी। इसे पासऑन गिफ्ट योजना का नाम दिया गया है। धीरे धीरे दो दो बकरियां प्रदेश में सभी किसानों को बांटा जाएगा प्रजनन से उस किसान के पास कई बकरियां हो जाएगी। जबकी उससे दो बकरियां लेकर दूसरे को देने का क्रम जारी रहेगा। दूसरी योजना की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि कृषक साथी योजना के अंतर्गत कृषि कार्य के दौरान मरने वालों के परिजनों को अब दो दो लाख रुपए सहायता स्वरूप दिए जाएंगे। तीसरी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि बीकानेर ऊन मंडी को शिष्ठ मंडी की श्रेणी में क्रमोन्नत किया जाएगा तथा केकडी की ऊन मंडी को भी विकसित करने की योजना है।

स्वागत (टोडारायसिंह): कृषि मंत्री का बुधवार टोडारायसिंह आगमन पर क्षेत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी के आवास पर भव्य स्वागत किया गया। मंत्री सैनी ने कार्यकर्ताओं के अभाव अभियोग भी सूने। मंत्री सैनी अविकानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में शरीक होने जा रहे थे।

राजस्थान पत्रिका 13/11/14

राजस्थान पत्रिका
टोंक . गुरुवार
13.11.2014

टोंक पत्रिका

कृषक साथी योजना में मिलेंगे 2 लाख

■ कृषि विश्वविद्यालय के लिए करेंगे प्रयास: सैनी

मालपुरा
jaipur@patrika.com

कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से किसानों की कृषि कार्य के दौरान मृत्यु हो जाने पर कृषक साथी योजना में दी जाने वाली एक लाख रुपए की सहायता राशि को 1 जनवरी 2015 से 2 लाख रुपए किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने मालपुरा में कृषि विश्वविद्यालय खुलवाने के प्रयास का आश्वासन भी दिया। कृषि मंत्री बुधवार को केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में आयोजित राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन विकास मेले में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश में खोले जाने वाले कृषि विश्वविद्यालय को मालपुरा में खुलवाने के प्रयास किए जाएंगे। कृषि मंत्री ने संस्थान निदेशक को संस्थान परिसर में जैतून के पौधे लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पशुपालकों का आर्थिक स्तर सुधारने के लिए जरुरतमंद पशुपालकों को एक बकरा व एक बकरी निशुल्क उपलब्ध प्रदान करने की योजना है। केन्द्रीय ऊन विकास मण्डल जोधपुर के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई ने कहा कि वर्तमान में कृषि भूमि आवासीय भूमि में तब्दील होने से कृषि का रकबा घटता जा रहा है, इसके लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि नाबार्ड जयपुर कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक राजेन्द्र सिंह ने कहा कि नाबार्ड योजना के तहत देश में केवल राजस्थान के पशुपालकों को 85 प्रकार की निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है। विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में कृषि विश्वविद्यालय खोलने पर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा।

पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. राजेश मान ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर की गई पशुगणना में 3.3 प्रतिशत पशुओं की कमी आई है, जो एक चिंता का विषय है। संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी ने संस्थान में किए गए अनुसंधानों की जानकारी दी तथा भेड़पालकों को सरकार की ओर से ऊन कटाई की मशीनें उपलब्ध कराने की मांग की।

मालपुरा क्षेत्र के अविकानगर में भेड़ों का अवलोकन करते कृषि मंत्री।

इससे पूर्व कृषि मंत्री सहित अतिथियों ने संस्थान सहित देशभर के विभिन्न संस्थानों की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।